

## विचार बिन्दु

सत्य से कीर्ति प्राप्त की जाती है और सहयोग से मित्र बनाए जाते हैं। –कौटिल्य अर्थशास्त्र

## संघ शताब्दी वर्ष :

# देश के हर गांव - गुवाड़ और चौपाल पर पंच परिवर्तन का शंखनाद करेगा संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विजयदशमी 2025 के पावन पर्व पर अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। इस अवसर पर 2 अक्टूबर से संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों का शुभारम्भ होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयदशमी के दिन 1925 में की थी। आज देश पर में 51570 स्थानों पर प्रतिदिन कुल 83129 शाखाएं संचालित की जाती हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 हजार से अधिक हैं। साप्ताहिक मिलन में पिछले वर्ष की तुलना में 4430 की वृद्धि के साथ 32147 हो गए हैं। देश में शाखाओं और मिलन की कुल संख्या 1,15,276 है। वहीं राजस्थान में वर्ष 2023 –24 में 6102 स्थानों पर 9556 शाखाएं, 3903 मिलन थे। जो वर्ष 2024–25 में बढ़कर 6839 स्थानों पर 10757 शाखाएं और 5311 मिलन हो गए हैं। शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवक पंच परिवर्तन को लेकर जनजागरण करेंगे। इनमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समस्यता, स्व आधरित व्यवस्था, कुटुंब प्रबोधन तथा नागरिक कर्तव्य, इन बिंदुओं का समावेश रहेगा। शताब्दी वर्ष के दौरान व्यापक गृह संपर्क अभियान, हिन्दू सम्मेलन, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी और सामाजिक सद्भाव बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा। शताब्दी वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा गृह सम्पर्क अभियान शुरू करेगा। 20 नवम्बर से 21 दिसम्बर के बीच संघ कार्यकर्ता देश के छह लाख गांवों के 20 करोड़ परिवारों में सम्पर्क करेंगे। इस अभियान में लगभग 20 लाख कार्यकर्ता घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। शताब्दी वर्ष का पहला कार्यक्रम विजयादशमी का होगा। मण्डल व बस्ती स्तर पर आयोजित विजयादशमी उत्सव के कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल होंगे।

विश्व विश्व का सबसे विशाल संगठन है। समाज के हर क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से विभिन्न संगठन चल रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। संघ के विरोधियों ने तीन बार 1948 1975 व 1992 में इस पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन तीनों बार संघ पहले से भी अधिक मजबूत होकर उभरा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने अनेक निर्णयों में माना है कि संघ एक सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन है।

देश में 25 जून 1975 को जबरिया आपातकाल लागू कर लाखों विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया गया था। 21 महीनों का यह काला दौर संविधान के विध्वंस, नागरिक अधिकारों के उल्लंघन, प्रेस पर पाबंदी और विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियां का रहा। इस दौरान विपक्षी पार्टियां नेतृत्व विहीन होने से आपातकाल का जबरदस्त विरोध नहीं कर पा रही थी। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अनवरत विरोध मार्च की कमान संभाली। इन पंक्तियों के लेखक ने उस दौरान संघ कार्यकर्ताओं का

**बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री हैं। संघ विचारकों का मानना है कि डॉ. राममनोहर लोहिया और लोक नायक जय प्रकाश नारायण सरीखे देश भक्तों ने कभी संघ का विरोध नहीं किया और समय-समय पर संघ कार्यों की प्रशंसा की।**

वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से 1,00,000 से अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के थे। सीसा के तहत कैद 30,000 लोगों में से 25,000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। आपातकाल के दौरान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीब 100 कार्यकर्ताओं की जान चली गई। अनेकानेक कष्ट झेलने के बाद भी संघ कार्यकर्ताओं ने हिम्मत नहीं हारी। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में विपक्षी दलों के विलय से बनी जनता पार्टी के सरकार बनाने में संघ कार्यकर्ताओं के योगदान को नकारा नहीं जा सकता।

आजादी के बाद से ही कांग्रेस के निशाने पर रहा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। लाख चेष्टा के बावजूद कांग्रेस संघ को समाप्त करना तो दूर हाशिये पर लाने में सफल नहीं हुआ। संघ को खत्म करने के चक्कर में खुद कांग्रेस अपना वजूद समाप्त करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर पहली विपदा महात्मा गांधी की हत्या के दौरान आई जब हत्यारे नाथूराम गोडसे को संघ का स्वयंसेवक बताकर संघ पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था। बाद में एक जांच समिति ने संघ पर लगे आरोपों को सही नहीं बताया तब संघ से प्रतिबन्ध हटा लिया गया और एक बार फिर संघ ने स्वतंत्र होकर अपना कार्य शुरू किया। संघ पर इस दौरान यह आरोप लगाया गया कि वह हिन्दू अधिकारों की वकालत करता है। मगर सच का कहना है कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धति है। भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है तो इसका कारण यह है कि यहीं हिन्दू बहुमत में है। बताया जाता है कि 1962 में भारत–चीन युद्ध के दौरान संघ के अप्रतिम सेवाभावी कार्यों से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं.जवाहर लाल नेहरू ने 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का संघ को निमंत्रण दिया। दो दिन की अल्प सूचना के बावजूद तीन हजार गणवेशधारी स्वयं सेवक उस परेड में शामिल हुए। यही यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि संघ गांधी हत्यारा था तो पं. नेहरू ने उसे देशभक्त संगठन मानकर परेड में शामिल क्यों किया। संघ पर दूसरी विपदा 1975 में तब आई जब आपातकाल के दौरान उस पर प्रतिबन्ध लगाकर हजारों स्वयंसेवकों को कारागार में डाल दिया गया। आपातकाल के बाद संघ से प्रतिबन्ध हटाया गया और संघ ने पुनः अपना कार्य प्रारम्भ किया।

बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री हैं। संघ विचारकों का मानना है कि डॉ. राममनोहर लोहिया और लोक नायक जय प्रकाश नारायण सरीखे देश भक्तों ने कभी संघ का विरोध नहीं किया और समय- समय पर संघ कार्यों की प्रशंसा की। विभिन्न गुटों में बंटे उनके कथित समाजवादी अनुयायी अपने राजनैतिक लाभों को हासिल करने के लिए उनका विरोध करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी भी संघ के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर कांग्रेस को झटका दे चुके हैं। उन्होंने संघ के संस्थापक हेडगेवार को बड़ा देशभक्त बताया था।

–अतिथि संपादक, बालमुकुन्द ओझा, वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

## राशिफल शनिवार 27 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 1:08 तक, प्रीति योग रात्रि 11:49 तक, बालव करण दिन 12:04 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।
**ग्रह स्थिति:** सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–तुला, बुध–कन्या, गुरू–मिथुन, शुक्र–सिंह, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 7:07 तक है, रात्रि 1:08 से पुनः आरम्भ होगा। आज नत पंचमी है।
**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ 7:50 से 9:19 तक, चर 12:18 से 1:47 तक, लाभ–अमृत 1:47 से 4:46 तक।
**राहूकाल:** 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:15

|               |                                                                                                                                                                              |               |                                                                                                                                                                   |               |                                                                                                                                                                                    |
|---------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <span></span> | <b>मेघ</b>                                                                                                                                                                   | <span></span> | <b>सिंह</b>                                                                                                                                                       | <span></span> | <b>धनु</b>                                                                                                                                                                         |
|               | चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज परिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।                       |               | घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी याथावत बनी रहेगी।               |               | घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।                                                           |
| <span></span> | <b>वृष</b>                                                                                                                                                                   | <span></span> | <b>कन्या</b>                                                                                                                                                      | <span></span> | <b>मकर</b>                                                                                                                                                                         |
|               | परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर में अतिथियों का आमनन बना रहेगा।          |               | परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।       |               | आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। ये वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लाभवाही ठीक नहीं रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।                   |
| <span></span> | <b>मिथुन</b>                                                                                                                                                                 | <span></span> | <b>तुला</b>                                                                                                                                                       | <span></span> | <b>कुंभ</b>                                                                                                                                                                        |
|               | विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।         |               | आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।                |               | व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।                     |
| <span></span> | <b>कर्क</b>                                                                                                                                                                  | <span></span> | <b>वृश्चिक</b>                                                                                                                                                    | <span></span> | <b>मीन</b>                                                                                                                                                                         |
|               | परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। |               | मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। |               | नवीन कार्यों के संबंध में सरकारात्मक आशवासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। |

# पर्यटन संस्कृति की प्रभावी शिक्षा का हो प्रसार

## 27 सितम्बर, विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष.....



डॉ. अरुणा व्यास

भारत आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान आता है। इसकी खास वजह यहां के चित्ताकर्षक पर्यटन स्थल तो है ही साथ ही वह अपनापे की संस्कृति भी है जिसमे पावणों यानी खज्जो-महाराजाओं ने पर्यटन के महत्व को देखते हुए ही अपने किले-महलों के द्वार सुदूर देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए खोल दिए थे। बाद में जब रियासतों का एकीकरण हुआ तो बड़ा संकट उन राजपूत ठिकानेदारों के सामने यह भी खड़ा हो गया कि कैसे बड़े-बड़े किले-महलों की सार संभाल करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री और बाद में देश के उपराष्ट्रपति रहे स्व. भैरोसिंह की पहल से तब एक महत्वपूर्ण पहल राजस्थान में ‘हेरिटेज होटल’ योजना के अंतर्गत हुई। 75 वर्ष से पुरानी हवेली, किले महल आदि को ‘हेरिटेज’ की श्रेणी में रखते पर्यटन की दृष्टि से उनके संवर्द्धन और विकास पर रियायतें, अनुदान की

पर्यटकों को अपने सौन्दर्य से मुग्ध करते है। गौरवमयी इतिहास से जुड़ी कथा-कहानियां, रंग-रंगीली संस्कृति और उत्सवप्रिय यहां के लोगों की आवभगत आने वाले पर्यटकों को अपना बना लेती है। यही कारण है कि सुदूर देशों से पर्यटक एक बार यहां आता है तो फिर बार–बार आता है।

राजस्थान में पर्यटन की परम्परा आरंभ से ही रही है। तब से ही जब रियासतों का एकीकरण नहीं हुआ था। राजा–महाराजाओं ने पर्यटन के महत्व को देखते हुए ही अपने किले-महलों के द्वार सुदूर देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए खोल दिए थे। बाद में जब रियासतों का एकीकरण हुआ तो बड़ा संकट उन राजपूत ठिकानेदारों के सामने यह भी खड़ा हो गया कि कैसे बड़े-बड़े किले-महलों की सार संभाल करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री और बाद में देश के उपराष्ट्रपति रहे स्व. भैरोसिंह की पहल से तब एक महत्वपूर्ण पहल राजस्थान में ‘हेरिटेज होटल’ योजना के अंतर्गत हुई। 75 वर्ष से पुरानी हवेली, किले महल आदि को ‘हेरिटेज’ की श्रेणी में रखते पर्यटन की दृष्टि से उनके संवर्द्धन और विकास पर रियायतें, अनुदान की

पर्यटन जन उद्योग है, इसका संचालन अन्य उद्योगों की भांति नहीं किया जा सकता। इसके लिए आम जन को जोड़ना अधिक जरूरी है।

जरूरी यह भी है कि राज्य में उपलब्ध पर्यटन सुविधाओं का व्यावहारिकता के स्तर पर आकलन कर उनका विकास किया जाए। अभी विर-परिचित स्थानों के विपणन पर तो बहुत कुछ किया जा रहा है परन्तु बहुत से कम जाने–पहचाने स्थानों के विकास से जरूरत है। जालौर का किला, सुंथा माता का रोपवे, परमारकालीन संस्कृत पाठशाला, चुरू, नवलगढ़ की हवेलियां, बांसवाड़ा में आधूणा के मंदिर, बाड़मेर में किराड़ का शिल्प सौन्दर्य, बोकानेर में गजनेर, उदयपुर में जयसमंद और रूडी रानी के महल, अलवर में भानगढ़, भरतपुर के जल महल और ऐसे ही बहुत है और पर्यटन आकर्षण है, जो पर्यटन मार्गचित्र पर ठीक से उभरे नहीं है। इनके विकास के साथ ही पर्यटन पथों का इस तरह से विकास किए जाने की जरूरत है कि पर्यटक पैकेज के रूप में कम परिचित स्थानों का दृश्यावलोकन कर सके। इसके साथ ही धार्मिक और घरेलू पर्यटन पर

मूल बात है कि हम राज्य के पर्यटन का विपणन इस रूप में करें कि देशी–विदेशी पर्यटकों के आकर्षण के साथ ही यहां की उन पर्यटन क्षमताओं का भी अधिकाधिक दोहन हो सके, जिन पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है। इसी से पर्यटन में राजस्थान देशभर में अग्रणी हो सकता है।

–डॉ. अरुणा व्यास, पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता
**स्वतंत्र पत्रकारों के लेखक**

# जीएसटी संशोधन 2.0 : आम जनता और महिलाओं के लिए राहत की नई किरण



डॉ. मनीषा सिंह

भारत निरंतर अग्रसर है तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर, भारत की आर्थिक व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हें प्रयासों की श्रृंखला में 15 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने संबोधन के दौरान जीएसटी में अहम संशोधन की घोषणा की। यह घोषणा केवल एक औपचारिक वादा नहीं थी, बल्कि सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचायक भी थी। इसके बाद 38 दिनों के भीतर, अर्थात् 22 सितम्बर को यह संशोधन लागू होने जा रहा है। यह कदम न केवल कर-व्यवस्था को सरल बनाने वाला है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

**जीएसटी संशोधन की पृष्ठभूमि**
जीएसटी को 2017 में लागू किया गया था और इसे वन नेशन वन टैक्स

की दिशा में ऐतिहासिक सुधार माना गया। लेकिन समय के साथ इसमें कई जटिलताएँ सामने आईं। छोटे व्यापारियों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को इसकी प्रक्रियाओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। केंद्र सरकार ने इन समस्याओं को गंभीरता से लिया और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वित्तीय व्यवस्था को आम जनता के लिए सरल और सहज बनाने की घोषणा की। इन्हें राहत देने का काम किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बार–बार इस बात पर जोर दिया है कि आर्थिक सुधार तभी सार्थक हैं जब जनता को उनका प्रत्यक्ष लाभ मिले।

**संशोधन का स्वरूप – 2.0**
22 सितम्बर से लागू होने जा रहे इस संशोधन में मुख्य रूप से निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं:
1. प्रक्रियाओं में सरलता – रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सहज बनाया गया है, जिससे छोटे व्यापारी और उद्यमी आसानी से इसे पूरा कर सकें।
2. टेक्स स्लैब में राहत – कुछ जरूरी वस्तुओं पर जीएसटी दरों को कम किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।
3. डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा – ऑनलाइन फाइलिंग और ट्रैकिंग को और अधिक आसान व पारदर्शी बनाया गया है।
4. गृह-उद्योग और कुटीर उद्योग पर विशेष ध्यान – छोटे स्तर के उद्योगों के लिए अनुपालन नियमों में ढील दी गई है।
**आम जनता व महिलाओं को होने वाले फायदे**
इस संशोधन के लागू होते ही आम जनता को कई लाभ मिलेंगे। सबसे बड़ा फायदा उपभोक्ताओं को होगा क्योंकि जरूरी वस्तुएँ सस्ती होंगी। रोटी-कपड़ा मकान के साथ साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सभी को मिल सकेगा। वहीं, छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए कर-प्रणाली का बोझ घटेगा और उन्हें कारोबार बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे। आज सभी के मध्य इस संशोधन को लेकर व्यापक चर्चा है। कई आर्थिक विशेषज्ञों ने इसे भारतीय कर-व्यवस्था में क्रांतिकारी कदम बताया है।
**महिलाओं के लिए विशेष लाभ–**
भारत में महिलाएँ केवल गृहिणी ही नहीं, बल्कि आज स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रही हैं। कई महिलाएँ छोटे स्तर पर गृह-उद्योग, बुटीक, सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग या ऑनलाइन कारोबार चला रही हैं। जीएसटी संशोधन 2.0 से इन्हें सबसे अधिक फायदा होगा। पहले जहाँ उन्हें रिटर्न फाइल करने, जटिल नियमों और टैक्स स्लैब समझने में मुश्किल आती थी, वहीं अब सरल प्रक्रियाएँ उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करेंगी। यह संशोधन महिलाओं के लिए आर्थिक

सशक्तिकरण का रास्ता खोलता है और नारी शक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। महिलाओं के बजट में रियायत–रसोई से खाने पीने की वस्तुओं से लेकर दवाइयों, किचनवेयर, रोजमर्रा जरूरत की चीजें, घरेलू सामान, सौंदर्य प्रसाधन, नवीनीकरण उपकरणों, टेक्सटाइल, हस्तशिल्प शिक्षा – स्वास्थ्य संबंधी वस्तुओं एवं सेवाओं आदि पर जीएसटी 18% या 12% से 5% तक होंगे जिससे जेब का बोझ कम होगा और महिलाओं को आर्थिक बचत होगी जिससे इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा, जितनी बेहतर होगी। उनके लिए कारोबार करना आसान हो जाएगा जिससे आर्थिक सशक्तिकरण रहें आसान होंगे।

**मोदी सरकार का दृष्टिकोण**
प्रधानमंत्री मोदी जी का सदैव यह मानना रहा है कि जन–हित और देशहित दोनों साथ–साथ चलने चाहिए। जीएसटी संशोधन को इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की ओर भी कदम है। आर्थिक बोझ कम होने से आम नागरिकों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और व्यापारिक विविधियों तेज होंगी। यह सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण आधारशिला बनेगा।

**राजनीतिक और सामाजिक महत्व**
राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो

# धौलपुर में ग्रामीण सेवा शिविर लोगों के लिये खुशियों के संदेशवाहक बने



राजकुमार मीणा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर धौलपुर जिले के लोगों के लिए बड़ी राहत का साधन बन रहे हैं। इन शिविरों ने न केवल वर्षों से अटकी समस्याओं का निस्तारण किया है बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक संबल और न्याय भी दिलाया है।

**पशुधन सुरक्षित– परिवार**



ईशा सैनी

निश्चित :-पंचायत समिति सरमथुरा की ग्राम पंचायत मदनपुर निवासी लक्ष्मीदेवी को शिविर में मंगला पशु बीमा योजना के तहत पैस की बीमा पॉलिसी मिली। पशु बीमा से उन्हें 40 हजार रुपये तक की सुरक्षा गारंटी मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार का आधार व्यक्ति करते हुए कहा कि अब उनका परिवार पशुधन की अनहोनी से सुरक्षित है।

स्वीकृत कर दी। उन्होंने कहा कि अब हर माह मिलने वाली राशि से उनका परिवार सहजता से चल सकेगा।

**किसानों के लिए सुरक्षा कवच बनी फसल बीमा योजना :–**गौलारी निवासी किसान हाकिम पुत्र किशन गुर्जर को कृषि विभाग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाया। उन्हें मौके पर ही फसल बीमा पॉलिसी दी गई। हाकिम ने कहा कि यह योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच है, जिससे अचानक आने वाली विपदा में सहारा मिलेगा।

**खाता विभाजन से मिटा वर्षों पुराना विवाद :–**ग्राम झण्डेकापुरा में उर्मिला, विद्याराम, निरोती, माया, रामबेटी, रामअवतार और सोमोती सहित सात खातेदारों का वर्षों से लंबित खाता विभाजन शिविर में ही निस्तारित कर दिया गया। मौके पर काजगजत तैयार होने और विवाद खत्म होने पर सभी लाभार्थियों के चेहरे पर संतोष और कुतजता झलक उठी।

25 साल पुरानी गलती का

निस्तारण :–ग्राम देवखेड़ा के पंकज पुत्र पूरन सिंह के रिकॉर्ड में जाति गलत दर्ज थी। ग्रामीण सेवा शिविर में ही राजस्व टीम ने इसे सुधारकर उन्हें सही प्रमाण पत्र सौंप दिया। त्वरित कार्रवाई से उनकी 25 वर्ष पुरानी समस्या मिट गई और उन्होंने खुशी जताते हुए राज्य सरकार का आधार व्यक्ति किया।

**सरकार की संवेदनशील पहल :–**धौलपुर जिले के ये उदाहरण बताते हैं कि ग्रामीण सेवा शिविर केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं का वास्तविक समाधान है। पशु बीमा से लेकर फसल बीमा, पेंशन से लेकर पेट्टे और नाम शुद्धि तककूहर वर्ग के लोग इन शिविरों से लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल और प्रशासन की तत्पत्ता से ग्रामीण सेवा शिविर आमजन के जीवन में विश्वास, राहत और नई उम्मीद जमाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

**राजकुमार मीणा, सहायक निदेशक, ईशा सैनी, एपीआरओ**

केवाईसी योजना के तहत कुल 246755 लोगों को एनएफएसए योजना से हटाने में सफलता मिली है। वहीं दूसरी ओर जिले में 220789 लोगों को एनएफएसए योजना से शामिल कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ा जाकर उनकी आर्थिक स्थिति को सम्बल बनाया जा रहा है। इन नये लाभार्थियों को प्रतिमाह 05 किलोग्राम प्रति यूनिट नि:शुल्क गेहूँ के साथ-साथ मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत 450 रुपये

भीलवाड़ा, (निर्सं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं खाद्य मंत्री के कुशल निर्देशन में गिवअप योजना में राज्य के साथ कदम मिलाकर भीलवाड़ा जिले ने भी गिवअप योजना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जहां एक ओर प्रदेश में 33.38 लाख लोगों ने एनएफएसए की योजना के लाभ का त्याग किया वहीं दूसरी ओर जिले में 170753 लोगों ने गिवअप कर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गिवअप अभियान राज्य में

सामाजिक न्याय, खाद्य सुरक्षा सूची शुद्धिकरण, स्वेच्छिक त्याग की भावना व निर्धन सेवा का पर्याय बन गया है। गिवअप अभियान की ऐतिहासिक सफलता को देखते हुए इसकी अवधि 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी गई है। इस योजना के तहत चार पहिया वाहन मालिकों, आयकरदाताओं, एक लाख से अधिक वार्षिक आय वाले लोगों एवं अन्य सम्पन्न वर्ग के लोगों ने स्वेच्छा से एनएफएसए योजना के लाभ का

त्याग कर समाज के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। राज्य सरकार ने यह घोषणा की है कि अन्तिम तिथि 31.10.2025 के बाद सम्पन्न किन्तु अपात्र लाभार्थियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए 30 रुपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम गेहूँ की दर से वसूली की जायेगी।

जिला रसद अधिकारी अमरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि जिले में जहां एक ओर गिवअप योजना एवं ई-

में प्रति परिवार प्रति वर्ष 12 घरेलू गैस सिलेण्डर, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में परिवार का नि:शुल्क पंजीकरण एवं 25 लाख रुपये तक नि:शुल्क इलाज तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में परिवार का 10 लाख रूपये तक नि:शुल्क दुर्घटना बीमा का लाभ भी मिल सकता है। जिले में 246755 लोगों के एनएफएसए योजना के हटने पर प्रतिमाह 3.77 करोड़ रुपये की प्रतिमाह सब्सिडी की बचत होगी।